20 फरवरी, 2022 करेंट अफेयर्स

1. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंदौर में 550 टन क्षमता के गोबर-धन संयंत्र का उद्घाटन किया

- प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी (Narendra Modi) ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मध्य प्रदेश के इंदौर में 550 टन क्षमता वाले "गोबर-धन (बायो-सीएनजी) प्लांट" का उद्घाटन किया। यह एशिया का सबसे बड़ा बायो-सीएनजी प्लांट है। इसे 150 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है।
- गोवर्धन प्लांट वेस्ट-टू-वेल्थ इनोवेशन की अवधारणा पर आधारित है। गीला शहरी घरेलू कचरा और मवेशियों और खेत से निकलने वाला कचरा गोबर धन है।
- देश भर में दशकों से लाखों टन कचरे ने हजारों एकड़ भूमि पर कब्जा कर लिया है, जिससे वायु और जल प्रदूषण हो रहा है, जो बीमारियों के फैलने का प्रमुख कारण है। प्लांट जीरो-लैंडफिल मॉडल पर आधारित है, जिसका मतलब है कि कोई रिजेक्ट नहीं होगा।

2. भारत को स्वास्थ्य क्षेत्र के वैश्विक स्रोत के रूप में स्थापित करने के लिए सरकार की योजना 'हील बाय इंडिया'

- भारत सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में भारत के शैक्षणिक संस्थानों को बेहतर बनाने के लिए 'हील बाय इंडिया (Heal by India)' पहल को बढ़ावा देगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने हाल ही में दो दिनों के लिए एक चिंतन शिविर - 'हील बाय इंडिया' का आयोजन किया।
- 'हील बाय इंडिया' पहल का उद्देश्य स्वास्थ्य क्षेत्र में भारत के प्रशिक्षित पेशेवरों के लिए विदेशों में रोजगार के अवसर पैदा करना और स्वास्थ्य के क्षेत्र में गुणवत्ता वाले मानव संसाधनों का मंथन करने के लिए शिक्षा को बढ़ाना है, जिससे उन्हें दुनिया में कहीं भी काम करने के योग्य बनने में मदद मिलती है।
- संपत्तियों पर काम कर रही है भारत सरकार जैसे सुयोग्य संकाय, कोई भाषा बाधा नहीं, उन्नत प्रौद्योगिकी की उपलब्धता, सकारात्मक सरकारी नीतियां आदि विशेष रूप से उन लोगों के लिए जिनकी भारत के बाहर उच्च मांग है।
- इसमें डायटीशियन, नर्स, लैब टेक्नीशियन, पैरामेडिक्स, ओटी (ऑपरेशन थिएटर) अटेंडेंट, फिजियोथेरेपिस्ट, ओटी टेक्नीशियन, वृद्ध रोगियों की देखभाल के लिए मेडिकल अटेंडेंट आदि जैसे लगभग 50-60 स्ट्रीम शामिल हैं। उन्हें स्किल इंडिया प्रोग्राम के तहत प्रशिक्षित किया जाएगा।

3. भारत सरकार, विश्व बैंक ने रिवार्ड परियोजना के कार्यान्वयन के लिए $115 मिलियन के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए

- भारत सरकार, कर्नाटक और ओडिशा की राज्य सरकारें तथा विश्व बैंक ने $115 मिलियन (INR 869 करोड़) के रेजुवेनटिंग वाटरशेड फॉर एग्रीकल्चरल रेसिलिएंस थ्रू इनोवेटिव डेवलपमेंट (Rejuvenating Watersheds for Agricultural Resilience through Innovative Development - REWARD) कार्यक्रम पर हस्ताक्षर किए हैं।
- यह कार्यक्रम राष्ट्रीय और राज्य संस्थानों को जलवायु परिवर्तन के प्रति किसानों की लचीलापन बढ़ाने, उच्च उत्पादकता और बेहतर आय को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए बेहतर वाटरशेड प्रबंधन प्रथाओं को अपनाने में मदद करेगा।
- ऋण की शर्तें: ऋण विश्व बैंक के पुनर्निर्माण और विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय बैंक (International Bank for Reconstruction and Development - IBRD) द्वारा प्रदान किया गया है और इसकी परिपक्वता अवधि 15 वर्ष है, जिसमें 4.5 वर्ष की छूट अवधि भी शामिल है।
- $115 मिलियन की ऋण राशि का विभाजन नीचे दिया गया है:
- **कर्नाटक सरकार- $60 मिलियन (INR 453.5 करोड़)**
- **ओडिशा सरकार- $49 मिलियन (INR 370 करोड़)**
- **केंद्र सरकार- $6 मिलियन (INR 45.5 करोड़)**

- **विश्व बैंक मुख्यालय: वाशिंगटन, डी.सी., संयुक्त राज्य अमेरिका**
- **विश्व बैंक का गठन: जुलाई 1944**
- **विश्व बैंक के अध्यक्ष: डेविड मालपास**

4. फ्रांस ने नौ साल बाद माली से सैन्य वापसी की घोषणा की

- फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन (Emmanuel Macron) ने घोषणा की है कि फ्रांस और उसके यूरोपीय सहयोगी नौ साल से अधिक समय तक जिहादी विद्रोह से लड़ने के बाद माली से सैन्य वापसी शुरू करेंगे।
- फ्रांस ने पहली बार 2013 में समाजवादी राष्ट्रपति फ्रांकोइस होलांदे (François Hollande) के नेतृत्व में माली में जिहादियों के खिलाफ सैनिकों को तैनात किया था। यह फैसला देश में सत्ताधारी जुंटा सरकार के साथ फ्रांस के संबंधों के टूटने के कारण लिया गया है। इस सैन्य अभियान का केंद्र माली से नाइजर स्थानांतरित किया जाएगा।
- हाल के वर्षों में, जिहादियों ने पूर्व फ्रांसीसी उपनिवेश में राजनीतिक उथल-पुथल, गरीबी और स्थानीय अधिकारियों की कमजोरी का फायदा उठाते हुए कई इलाकों पर कब्जा कर लिया है। माली में फ्रांसीसी रणनीति के आलोचकों ने लंबे समय से पेरिस में नीति निर्माताओं पर राजनीति की कीमत पर सैन्य बल पर ध्यान केंद्रित करने का आरोप लगाया है।

- वापसी माली में 2,400 फ्रांसीसी सैनिकों और कई सौ की एक छोटी यूरोपीय सेना पर लागू होती है, जिसे 2020 में फ्रांसीसी सेना पर बोझ को कम करने के लिए बनाया गया था।

- **माली राजधानी: बमाको मुद्रा: सीएफए फ्रैंक**

- **नाइजर राजधानी: नियामी मुद्रा: पश्चिम अफ्रीकी सीएफए फ्रैंक**

5. मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश स्थापना दिवस: 20 फरवरी

- उत्तरी राज्य मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश 1987 से 20 फरवरी को अपना स्थापना दिवस मनाते हैं। अरुणाचल प्रदेश देश का चरम उत्तरी भाग है, जिसे 'उगते सूरज की भूमि (land of the rising sun)' के रूप में भी जाना जाता है। हिमालय के किनारे पर स्थित राज्य को भोर और प्रज्ज्वलित पहाड़ों की भूमि कहा जाने पर गर्व है। अरुणाचल प्रदेश भारत का 24वां राज्य बना।

- मिजोरम को 1972 में पूर्वोत्तर क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 के तहत एक अलग केंद्र शासित प्रदेश घोषित किया गया था। भारतीय संविधान, 1986 में 53वें संशोधन के बाद यह भारत का 23वां राज्य बना। मिजोरम, साथ ही अरुणाचल प्रदेश राज्य, 20 फरवरी 1987 को अस्तित्व में आया।

- **मिजोरम के मुख्यमंत्री: पु ज़ोरमथांगा राज्यपाल: पी.एस. श्रीधरन पिल्लई**

- **अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री: पेमा खा राज्यपाल: बी.डी. मिश्रा.**

6. टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा एडिडास में ब्रांड एंबेसडर के रूप में शामिल हुईं

- टेबल टेनिस खिलाड़ी, मनिका बत्रा (Manika Batra) को एडिडास (Adidas) के ब्रांड एंबेसडर के रूप में नामित किया गया था। यह साझेदारी महिलाओं को उनके सपनों को साकार करने के लिए सशक्त बनाने, महिलाओं को बाधाओं को तोड़ने के लिए प्रोत्साहित करने और खेलों में भागीदारी बढ़ाने पर केंद्रित है।
- इस गठबंधन के साथ, दोनों का लक्ष्य देश भर में आने वाली महिला खिलाड़ियों की आकांक्षाओं को आगे बढ़ाते हुए, खेल में विश्वसनीयता और समावेशिता को बढ़ावा देना है।
- मनिका बत्रा कॉमनवेल्थ गेम्स 2018 में टेबल टेनिस में गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं। वह (इंटरनेशनल टेबल टेनिस फेडरेशन) आईटीटीएफ विश्व रैंकिंग में महिला युगल में शीर्ष 10 और मिश्रित युगल में शीर्ष 15 में पहुंचने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी हैं, और आईटीटीएफ रैंकिंग के शीर्ष 50 में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला हैं।

7. ट्रांसयूनियन ने MSME उपभोक्ता शिक्षा कार्यक्रम के लिए फिक्की के साथ टाईअप किया

- ट्रांसयूनियन सिबिल ने MSME को समर्थन देने के लिए एक अद्वितीय राष्ट्रव्यापी MSME उपभोक्ता शिक्षा कार्यक्रम शुरू करने के लिए फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (Federation of Indian Chambers of Commerce & Industry - FICCI) के साथ भागीदारी की है।
- यह कार्यक्रम महाराष्ट्र, असम और त्रिपुरा में एमएसएमई समूहों के साथ शुरू होगा और इसका लक्ष्य भारत के प्रमुख एमएसएमई समूहों में हजारों एमएसएमई तक पहुंचना है।
- कार्यक्रम का उद्देश्य एमएसएमई को इस ज्ञान के साथ सशक्त बनाना है कि कैसे एक अच्छा क्रेडिट इतिहास और सिबिल रैंक का निर्माण किया जाए ताकि वित्त की आसान और तेज़ पहुँच प्राप्त की जा सके। ट्रांसयूनियन सिबिल एमएसएमई के लिए वित्त तक पहुंच और ड्राइविंग पहुंच में सुधार करते हुए अपने एमएसएमई पोर्टफोलियो के सतत विकास में बैंकों और क्रेडिट संस्थानों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है।
- सूक्ष्म ऋण देने के लिए CIBIL रैंक और वाणिज्यिक क्रेडिट रिपोर्ट जैसे MSME ऋणदाताओं के समाधान की पेशकश के अलावा, ट्रांसयूनियन सिबिल, सिडबी के सहयोग से एमएसएमई पल्स जैसी अंतर्दृष्टि रिपोर्ट और एमएसएमई क्षेत्र पर बाजार अंतर्दृष्टि के साथ नीति निर्माताओं और उद्योग का समर्थन करने के लिए हालिया आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) विश्लेषण रिपोर्ट भी प्रकाशित करता है।
- **फिक्की की स्थापना: 1927**
- **फिक्की मुख्यालय: नई दिल्ली**
- **फिक्की अध्यक्ष: संजीव मेहता**
- **फिक्की महासचिव: अरुण चावला**
- **ट्रांसयूनियन सिबिल की स्थापना: 2000**
- **ट्रांसयूनियन सिबिल प्रबंध निदेशक: राजेश कुमार**

- **ट्रांसयूनियन सिबिल अध्यक्ष: एमवी नायर (अध्यक्ष)**

8. हुरुन इंडिया वेल्थ रिपोर्ट: भारत के करोड़पति परिवारों में 2021 में 11% की वृद्धि हुई

- नवीनतम हुरुन इंडिया वेल्थ रिपोर्ट (Hurun India Wealth Report) 2021 के अनुसार, भारत में डॉलर-करोड़पति परिवारों की संख्या 2020 की तुलना में 2021 में 11 प्रतिशत बढ़कर 4,58,000 घरों में पहुंच गई।
- कम से कम INR 7 करोड़ ($ 1 मिलियन) की कुल संपत्ति वाले परिवार को डॉलर-करोड़पति घर कहा जाता है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि देश में डॉलर-करोड़पति परिवारों की संख्या अगले पांच वर्षों में 30% बढ़कर 2026 में 6,00,000 घरों तक पहुंच जाएगी।
- इस बीच, सबसे अधिक करोड़पति वाले शहरों की सूची में, मुंबई 20,300 करोड़पति परिवारों के साथ सबसे ऊपर है। मुंबई के बाद दिल्ली में क्रमशः 17,400 और कोलकाता में 10,500 करोड़पति परिवार हैं।
- यह रिपोर्ट 350 भारतीय 'करोड़पति' (1 मिलियन डॉलर की निजी संपत्ति वाले व्यक्ति) पर किए गए सर्वेक्षण पर आधारित है।

9. जलवायु परिवर्तन को लेकर चिंता के मामले में भारतीय कंपनियां पांचवें स्थान पर

- डेलॉयट 2022 CxO सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट: द डिसकनेक्ट बिटवीन एम्बिशन एंड इम्पैक्ट' के अनुसार, भारतीय व्यवसाय जलवायु परिवर्तन के लिए अपनी चिंता में 5 वें स्थान पर हैं।
- रिपोर्ट के अनुसार, 80 प्रतिशत भारतीय अधिकारी आठ महीने पहले केवल 53 प्रतिशत की तुलना में जलवायु परिवर्तन पर प्रतिक्रिया के लिए दुनिया को एक महत्वपूर्ण बिंदु पर देखते हैं।
- डेलॉयट टौच तोहमात्सु लिमिटेड (Deloitte Touche Tohmatsu Limited - DTTL) ने यह रिपोर्ट जारी की है। DTTL को डेलॉयट ग्लोबल के नाम से भी जाना जाता है।
- सितंबर-अक्टूबर 2021 के दौरान 21 देशों में किए गए डेलॉयट सर्वेक्षण में जनवरी-फरवरी 2021 में किए गए सर्वेक्षण की तुलना में जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर प्रतिक्रिया देने वाले भारत में शीर्ष स्तर के अधिकारियों की संख्या अधिक पाई गई है।

10. फसल बीमा पॉलिसियों को वितरित करने के लिए भारत सरकार 'मेरी पॉलिसी मेरे हाथ' लॉन्च करेगी

- कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय 'मेरी पॉलिसी मेरे हाथ (Meri Policy Mere Hath)' शुरू करेगा जो प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana - PMFBY) के तहत किसानों को फसल बीमा पॉलिसी देने के लिए एक घर-घर वितरण अभियान है।
- अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी किसान पीएमएफबीवाई के तहत अपनी नीतियों, भूमि अभिलेखों, दावे की प्रक्रिया और शिकायत निवारण के बारे में सभी जानकारी से अवगत हों।
- भारत सरकार की एक प्रमुख योजना, पीएमएफबीवाई का उद्देश्य प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली फसल के नुकसान/क्षति से पीड़ित किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। PMFBY के तहत 36 करोड़ से अधिक किसान आवेदनों का बीमा किया गया है, 4 फरवरी 2022 तक इस योजना के तहत 1,07059 करोड़ रुपये से अधिक के दावों का भुगतान किया जा चुका है।